

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 7th



aglasem.com

Class : 7th

Subject : इतिहास

Chapter : 4

Chapter Name : मुग़ल साम्राज्य

Q1 सही जोड़े बनाएँ :

मनसब	मारवाड़
मंगोल	गवर्नर
सिसौदिया राजपूत	उज़बेग
राठौर राजपूत।	मेवाड़
नूरजहाँ	पद
सूबेदार	जहाँगीर

Answer.

मनसब	पद
मंगोल	उज़बेग
सिसौदिया राजपूत	मेवाड़
राठौर राजपूत।	मारवाड़
नूरजहाँ	जहाँगीर
सूबेदार	गवर्नर

Page : 57 , Block Name : फिर से याद करें

Q2 रिक्त स्थान भरें :

- (क) _____ अकबर के सौतेले भाई , मिर्जा हाकिम के राज्य की राजधानी थी।
- (ख) दक्कन की पाँचों सल्तनत बरार , खानदेश , अहमद नगर , _____ और _____ थीं।
- (ग) यदि जात एक मनसबदार के पद और वेतन का द्योतक था , तो सवार उसके _____ को दिखाता था।
- (घ) अकबर के दोस्त और सलाहकार , अबुल फ़ज़ल ने उसकी _____ के विचार को गढ़ने में मदद की जिसके द्वारा वह विभिन्न धर्मों , संस्कृतियों और जातियों से बने समाज पर राज्य कर सका।

Answer.

- (क) काबुल
- (ख) बीजापुर , गोलकुंडा
- (ग) सैन्य उत्तरदायित्व
- (घ) सुलह-ए-कुल

Page : 58 , Block Name : फिर से याद करें

Q3 मुग़ल राज्य के अधीन आने वाले केंद्रीय प्रांत कौन-से थे?

Answer. मुग़ल राज्य के अधीन आने वाले केंद्रीय प्रांत दिल्ली और आगरा थे।

Page : 58 , Block Name : फिर से याद करें

Q4 मनसबदार और जागीर में क्या संबंध था?

Answer. मनसबदार अपना वेतन राजस्व एकत्रित करने वाली भूमि के रूप में पाते थे , जिन्हें जागीर कहते थे। मनसबदार जागीरों पे प्रशासन नहीं करते थे, उन्हें केवल जागीरों के राजस्व एकत्रित करने का अधिकार था।

Page : 58 , Block Name : फिर से याद करें

Q5 मुगल प्रशासन में ज़मींदार की क्या भूमिका थी?

Answer. मुगलों की आमदनी का प्रमुख साधन किसानों से मिलने वाला राजस्व था। किसान ये राजस्व ज़मींदारों को देते थे, जिसे ज़मींदार सरकारी खजाने में जमा करते थे।

Page : 58 , Block Name : आइए समझें

Q6 शासन-प्रशासन संबंधी अकबर के विचारों के निर्माण में धार्मिक विद्वानों से होने वाली चर्चाएँ कितनी महत्वपूर्ण थीं?

Answer. शासन-प्रशासन संबंधी अकबर के विचारों के निर्माण में धार्मिक विद्वानों से होने वाली चर्चाएँ निम्नलिखित प्रकार से महत्वपूर्ण थीं :-

- अकबर को धार्मिक वाद-विवाद से ये ज्ञात हुआ कि धार्मिक कट्टरता प्रजा के विभाजन के लिए उत्तरदायी होती है।
- चर्चाओं ने उन्हें एक नयी सोच प्रदान की , जिसमें सिर्फ न्याय , शांति और सच्चाई की बात पर बल था।
- इन चर्चाओं का अनुभव अकबर को सुलह-ए-कुल अथवा शांति के विचार की तरफ ले गया।

Page : 58 , Block Name : आइए समझें

Q7 मुगलों ने खुद को मंगोल की अपेक्षा तैमूर के वंशज होने पर क्यों बल दिया?

Answer. मुगल अपने आप को मुगल या मंगोल कहलवाना पसंद नहीं करते थे, क्योंकि चंगेज़ खान से जुड़ी यादें मुगलों के प्रतियोगी उज्बेगों से संबंधित थी। मुगल तैमूर के वंशज होने पर गर्व करते थे क्योंकि उनके महान पूर्वज तैमूर ने 1398 में दिल्ली पर कब्ज़ा कर लिया था।

Page : 58 , Block Name : आइए समझें

Q8 भू-राजस्व से प्राप्त होने वाली आय , मुगल साम्राज्य के स्थायित्व के लिए कहाँ तक ज़रूरी थी?

Answer. भू-राजस्व से प्राप्त होने वाली आय मुगल साम्राज्य के स्थायित्व के लिए निम्नलिखित प्रकार से ज़रूरी थी :-

- भू-राजस्व की आय राज्य का प्रमुख वेतन होती थी।
- इस आय से राज्य के सभी प्रमुख कार्य किये जाते थे, जैसे व्यापार, कृषि के उत्पादन ,कर्मचारियों को वेतन देना आदि। सैनिकों के वेतन तथा अन्य प्रशासनिक खर्च भी राजस्व की आय पर निर्भर थे।

Page : 59 , Block Name : आइए विचार करें

Q9 मुगलों के लिए केवल तूरानी या ईरानी ही नहीं , बल्कि विभिन्न पृष्ठभूमि के मनसबदारों की नियुक्ति क्यों महत्वपूर्ण थी?

Answer. मुगलों ने तूरानी और ईरानी के साथ-साथ भारतीय मुसलमानों , अफगानों , मराठों और अन्य समूहों की नियुक्ति की ताकि उन्हें अपना भारत में शासन बढ़ाने और स्थायित्व प्रदान करने में सहायता मिले। जो की मुगलों के लिए महत्वपूर्ण था। ऐसा इसलिए महत्वपूर्ण हो गया था, क्योंकि मुगल साम्राज्य का प्रसार हो रहा था और मुगलों को उन्हीं के समाज से जुड़े लोगों की प्रशासन में आवश्यकता थी। ऐसा करके वे एक कुशल प्रशासक बन सके।

Page : 59 , Block Name : आइए विचार करें

Q 10. मुगल साम्राज्य के समाज की ही तरह वर्तमान भारत आज भी अनेक सामाजिक और सांस्कृतिक इकाइयों से बना हुआ है। क्या यह राष्ट्रीय एकीकरण के लिए चुनौती है?

Answer- आधुनिक भारत में 28 राज्य और 9 केंद्र शासित प्रदेश हैं। इन राज्यों में अलग-अलग खान-पान, वेशभूषा और भाषा बोलने वाले लोग एक साथ रहते हैं।

- मुगल साम्राज्य भी इसी तरह अनेक सामाजिक व सांस्कृतिक इकाइयों से बना हुआ था, परंतु वह एकीकरण इसलिए नहीं कर पाया क्योंकि दिल्ली में बैठा शासक कमजोर था और आर्थिक रूप से साम्राज्य की स्थिति खराब हो गई थी।
- वर्तमान भारत भी विविधताओं से भरा देश है। यही भारत की एकता का प्रतीक है।
- आज भारत के सभी नागरिक मतदान करके अपना प्रधानमंत्री चुनते हैं, जो देश पर शासन करता है। वह संविधान की पालना करते हैं।
- संसद में सभी राज्यों से आए प्रतिनिधि जनता की बात को उठाते हैं।
- यह सब राष्ट्रीयकरण के लिए आवश्यक है, न की चुनौती है।

Page : 59 , Block Name : आइए विचार करें

Q 11. मुगल साम्राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए कृषक अनिवार्य थे। क्या आप सोचते हैं कि वह आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं? क्या आज भारत में अमीर और गरीब के बीच आय का फासला मुगलों के काल की अपेक्षा कहीं अधिक बढ़ गया है?

Answer- किसी भी समाज व समय की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान अहम होता है। कृषि लोगों को सबसे अधिक रोजगार प्रदान करती है। मुगल काल की भांति आज भी कृषक अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

- कृषकों के लिए एक समस्या उनकी आमदनी की होती है। अधिकतर किसानों के पास अपने खेत नहीं होते, और वे दूसरों के खेतों पर काम करते हैं। इससे उनकी आय बड़े किसानों की अपेक्षा कम होती है और वे गरीबी में जीवन जीते हैं।
- हम यह मान सकते हैं कि आज भारत में अमीर व गरीब के बीच आय का फासला मुगल काल की अपेक्षा काफी बढ़ गया है। इसका प्रमुख कारण बढ़ती हुई जनसंख्या है।
- जलवायु परिवर्तन के कारण अच्छी व समय पर वर्षा न मिलने के कारण फसल खराब हो जाती है। जिससे किसान धन नहीं कमा पाते।

हमारी सरकार कृषकों के हितों के लिए अनेक योजनाएं चलाकर उनकी आय में वृद्धि के प्रयास करती रहती है। जिससे धीरे-धीरे गरीब - अमीर में आय का फासला कम हो रहा है।

Page : 59 , Block Name : आइए विचार करें

Q 12. मुगल साम्राज्य का उपमहाद्वीप के विभिन्न क्षेत्रों पर अनेक तरह के प्रभाव पड़ा। पता लगाइए कि जिस नगर, गांव अथवा क्षेत्र में आप रहते हैं, उस पर इसका कोई प्रभाव पड़ा था?

Answer. छात्र स्वयं करें।

Page : 59 , Block Name : आइए करके देखें

aglasem.com